ईसु को पाणी परँ चालबो

JESUS WALKS ON WATER

Merwari

ईसु को पाणी परँ चालबो

JESUS WALKS ON WATER

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language (Red Level Book-7)

प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु मसीह के पानी पर चलने के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

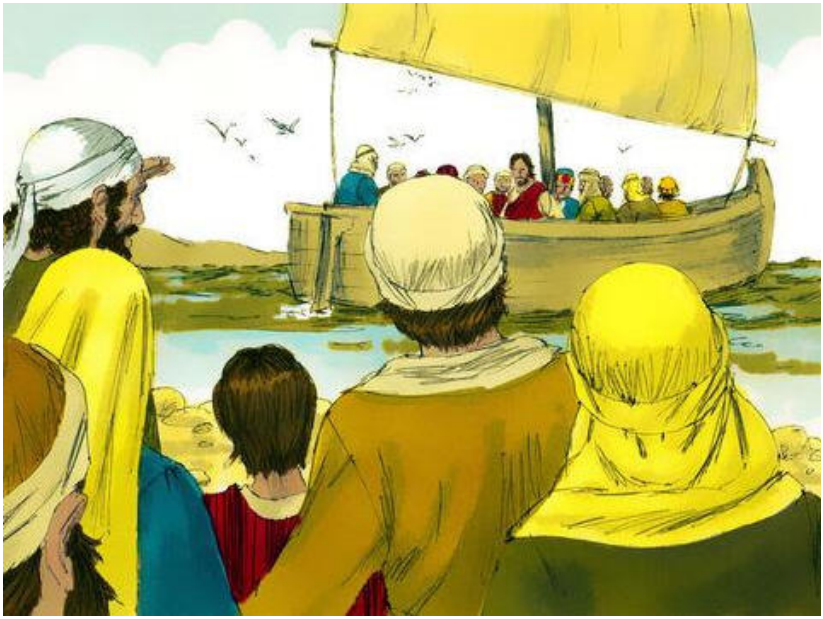

एक दन ईसू खुदका चेलँ ने
कियो।
आजाओ आपा तळाब के
बि पाड़ँ चालाँ।
फेर बो चेलँ की लेर जाबा
लाज्यो।

ईसू नाऊ के पालअ पाड़ँ जार हुज्यो ।
जदँ तळाब म जोरकि आंदि चालि।
ऐर नाऊ पाणि कि लेरऊँ भरबा लागगी।

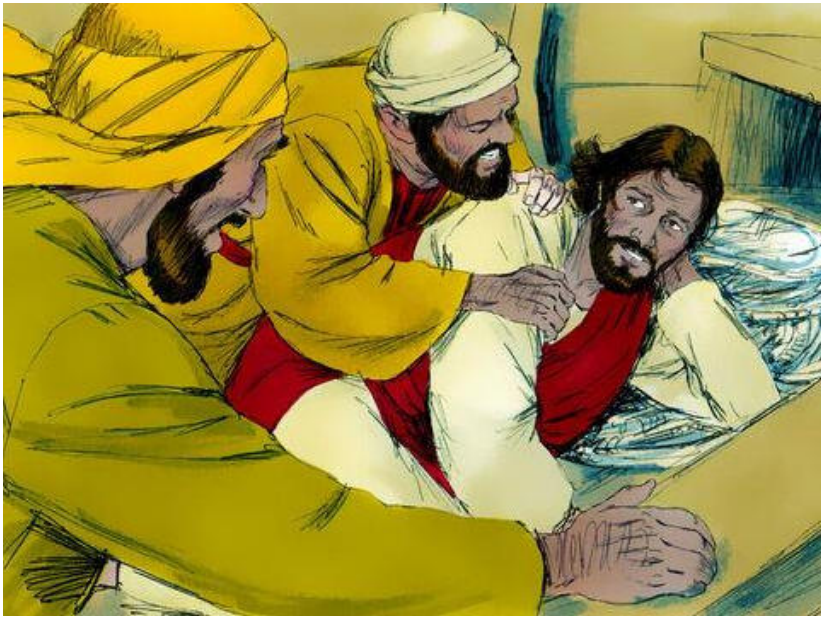

चेला ईसू ने जगार कियो।
ओ गरुजी माको ज्यान करो
ऐर मानअ बचावो।
अशान तो मे मर जावाँ।

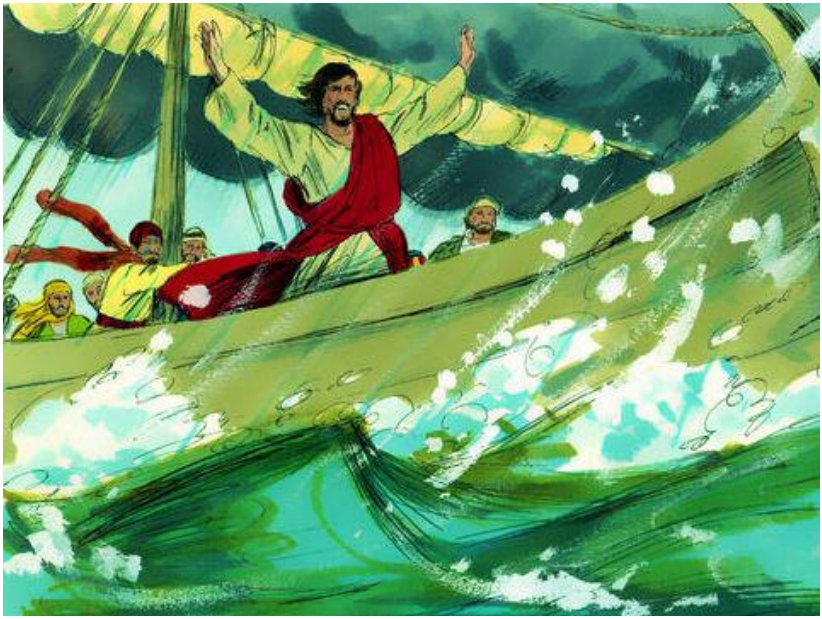

जदँ ईसू उटर तोफान ऐर
पाणि न हेला कर्या।
जदँ आंदि रुकगी ऐर बटे
नेटाव आज्यो।

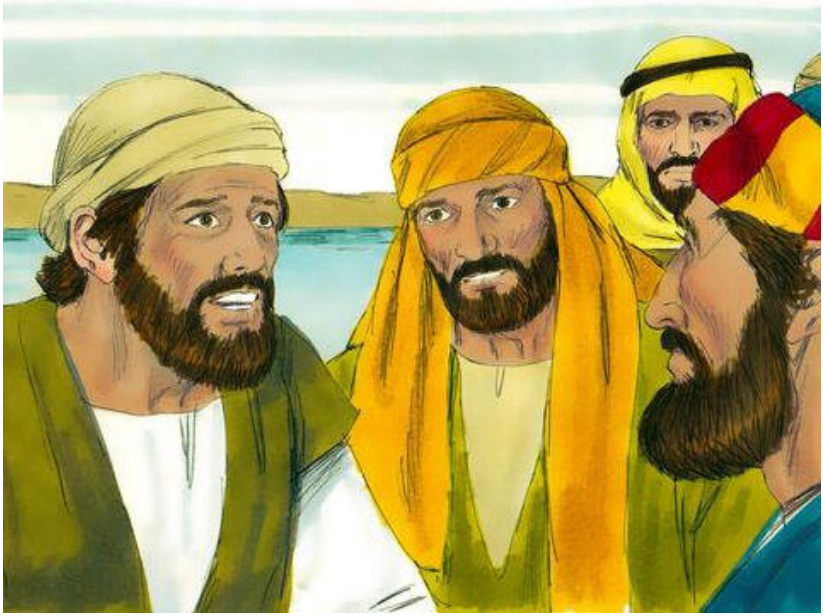

अशान देकर बे हगळा
दरज्या ऐर केबा लाज्या,
“ओ कुण हे, आंदि ऐर पाणि
ईको केणो माने हे” पच बे
तळाब के बि पाड़े पराज्या।

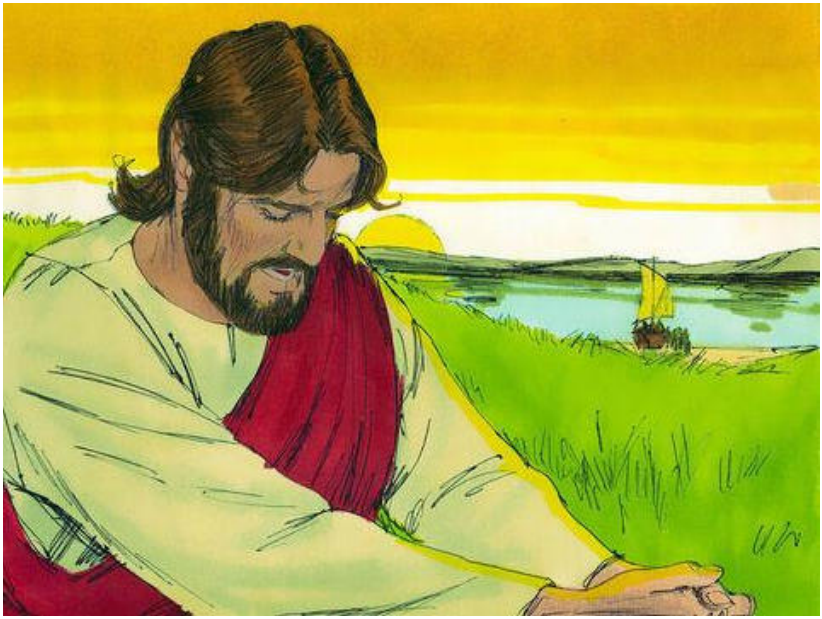

थोड्कणाक दनअ पचँ ईसू चेलँ न कियो।
नाऊँ म बेटर मारुँ पेली बैतसैदा जावो। ऐर बो अरज करबान डुंगर परँ परोज्यो।

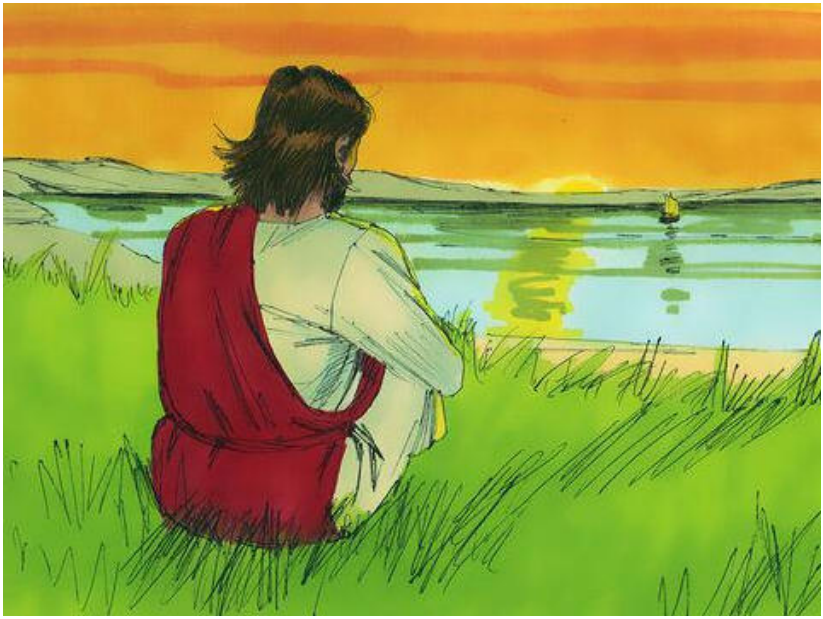

बि बगत अंदारो पड़रियो
हो। ऐर नाऊँ हमंदर के बच
म हि।
ऐर लेरऊँ हाल रि हि चुंकि
हुवा हामनअ कि हि।

चोता पेर की बगत ईसु
पाणि परँ चालतोडो ब्याँके
कनअ आज्यो।
बे ब़िनअ पाणि परँ
चालतोड़ो देकर डरपज्या।

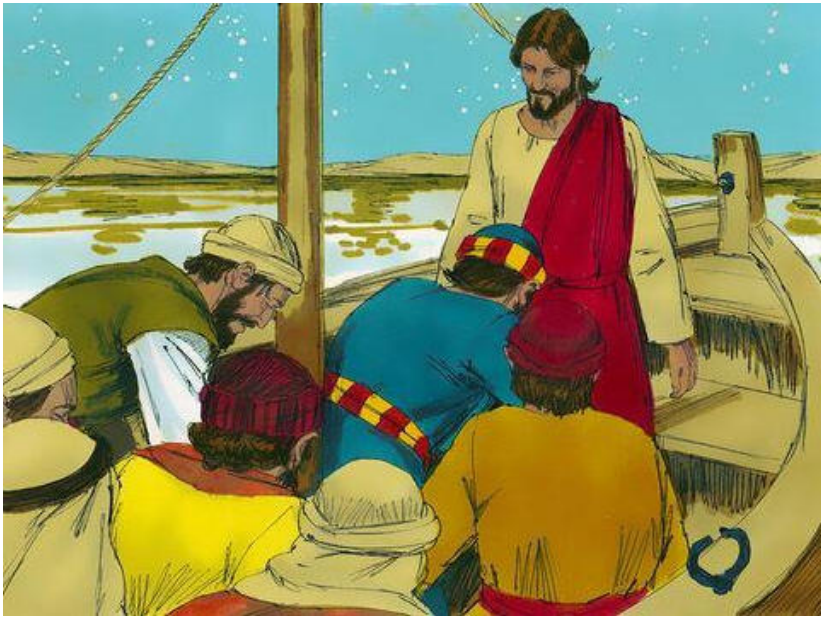

ऐर केबा लाज्या,“ आतो छळयावण हे।” ईसू ब्यानअ कियो,“डरपो मत मूँ हु। फेर बो, ब्याँके कनअ नाऊँ म आयो।
ऐर बे बटऊँ पराज्या।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®